पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 02 | अंक: 1 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, शुक्रवार 7 अप्रैल, 2023 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

यूईएम जयपुर में हुआ ऐसहैक हैकाथॉन का सफलतापूर्वक आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) जयपुर ने राजस्थान पुलिस, राजस्थान सरकार के सहयोग से यूईएम जयपुर एसीएम स्टूडेंट चैप्टर की पहल ऐसहैक 2.0, 24 घंटे का हैकथॉन का आयोजन किया है। यह चौमूं से 6 किलोमीटर दूर गुरुकुल सीकर रोड (NH-11), उदयपुरिया मोड़, जयपुर, राजस्थान, श्वरूजयपुर परिसर में आयोजित किया गया। यह 24 घंटे का हैकथॉन था जहां प्रतिभागियों ने समस्याओं को हल करने के लिए परियोजनाओं का निर्माण किया और अन्य प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा की और समाज के लिए नए मॉडल का आविष्कार किया। इस मेगा-इवेंट में भाग लेने के लिए पूरे भारत से 800 से अधिक प्रतिभागी आए थे। ऐसहैक 2.0 वास्तव में मस्ती और सीखने का एक मिश्रण था जहां शानदार विचार प्रदर्शित किए गए थे, और छात्रों ने सीखा और प्रेरित महसूस किया। महेंद्र लाल कुमावत, पूर्व डीजीपी, बीएसएफ और पूर्व विशेष गृह सचिव प्रो. (डॉ.) विश्वजॉय चटर्जी, कुलपति, यूईएम जयपुर, प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार, यूईएम जयपुर, प्रो. (डॉ.))

अनिरुद्ध मुखर्जी, डीन, यूईएम जयपुर और श्री बलराम, आरपीएस, डीएसपी, सर्किल गोविंदगढ़ ने एसहैक हैकथॉन का उद्घाटन किया। देश के सभी हिस्सों से 500 से अधिक हैकर राजस्थान सरकार के उद्योगों और पुलिस विभाग की सबसे प्रासंगिक समस्या बयानों को हल करने के लिए आए।

महेंद्र लाल कुमावत, पूर्व डीजीपी, बीएसएफ ने सभी छात्रों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न ऑनलाइन खतरों से सुरक्षित रखने के लिए साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास कार्य करने के लिए कहा। वे देश के विभिन्न हिस्सों से आए छात्रों को देखकर खुश हुए और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

बालाराम, आरपीएस, डीएसपी, सर्किल गोविंदगढ़ ने छात्रों को साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी के खतरे को खत्म करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बारे में बताया। उन्होंने समाज को अधिक सुरक्षित और काम करने योग्य बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान के बारे में जानकारी दी।डॉ. बिस्वजॉय चटर्जी, कुलपति, यूईएम जयपुर ने साइबर सुरक्षा का ध्यान रखने के लिए यूईएम जयपुर द्वारा की गई विभिन्न योजनाओं और पहलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कुछ विश्व प्रसिद्ध प्रशिक्षण साझेदारों जैसे Amazon AWS और Palp Alto Networks आदि से ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा में विभिन्न प्रशिक्षणों और पाठ्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बहुत ही सफल तरीके से इस बहुत ही प्रासंगिक हैकाथॉन के आयोजन के लिए छात्रों की टीम और संकाय समन्वयकों को बधाई दी।

हरिराम मीणा और सज्जन कंवर, सीआई, साइबर थाना जयपुर राजस्थान ने सभी छात्रों के साथ बहुत जानकारीपूर्ण सत्र लिया और राजस्थान सरकार के पुलिस विभाग के साइबर सेल में ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर हमलों के हाल के मामलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने संबंधित व्यक्तियों के संपर्क विवरण के साथ किसी भी साइबर हमले या किसी भी ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले में किसी भी व्यक्ति द्वारा उठाए जाने वाले कदमों के बारे में भी बताया।

प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार, यूईएम जयपुर और प्रो. (डॉ.) अनिरुद्ध मुखर्जी, डीन, यूईएम जयपुर ने भी छात्रों को प्रेरित किया और उन्हें 24 घंटे प्रतियोगिता के प्रति उत्साही रहने के लिए कहा। (डॉ.) मृणाल कांति सरकार, कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रमुख और प्रोफेसर दीप्त मुखर्जी, सहायक प्रोफेसर, सीएसई भी पूरे हैकथॉन प्रतियोगिता के दौरान श्याम लाल जाट और भीम लामा, नेटवर्क पर्यवेक्षकों के साथ उपस्थित रहे। 24 घंटे से अधिक की पूरी प्रतियोगिता के दौरान भारत के विभिन्न हिस्सों से भाग लेने वाले सभी छात्र बहुत खुश और उत्साहित थे। यह दो दिवसीय कार्यक्रम था। उन्होंने यूईएम जयपुर को इस दौरान सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने के लिए बधाई दी। विद्यार्थियों को तीन लाख से अधिक के पुरस्कार दिए गए। प्रथम पुरस्कार कुणाल चौहान एवं मुस्कान यादव , द्वितीय पुरस्कार प्रीतम जामी एवं टीम और तृतीय पुरस्कार धुर्वे व्यास एवं टीम ने जीता। गर्ल्स टीम के लिए भी एक विशेष पुरस्कार था और यह मानसी, ग्रेसी सिंह एंड नेहा रावत द्वारा जीता गया।

पूरे आयोजन के दौरान एसीएम स्टूडेंट चैप्टर के सभी सदस्य, यूईएम जयपुर के शिक्षक और कर्मचारी सदस्य उपस्थित रहे। प्रो. दीप्ता मुखर्जी और प्रो. डॉ. मृणाल कांति सरकार की देखरेख में यूईएम जयपुर के बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्र साहित्य रॉय के साथ-साथ उनकी टीम के अन्य सदस्यों के समन्वय के तहत पूरे कार्यक्रम को डिजाइन और आयोजित किया गया था।

सामोद पर्वत पर हनुमान जन्मोत्सव के दिन उमड़ा आस्था का जनसैलाब

चौमूं (संस्कार सृजन)। हनुमान महिमा से अलंकृत हनुमान चालीसा के पाठ और रामचरित मानस के सुंदरकांड के सामूहिक स्वर के बीच आज अंजनी पुत्र हनुमान का जन्मोत्सव श्रद्धा व उल्लास से मनाया गया । मंदिरों में पंचामृत अभिषेक, विशेष श्रृंगार और भजन सत्संग हुए । पदयात्रा व शोभा यात्रा निकाली गई । वैसे तो हनुमान जन्मोत्सव की शुरुआत बुधवार को मध्य रात्रि में अभिषेक और हवन से ही हो गई थी, लेकिन श्रृंगारित झांकी के साथ ही हनुमान जी का गुणगान सुबह मंगला आरती के साथ ही शुरू हुआ । सामोद के वीर हनुमान धाम में दिनभर मेले सा माहौल रहा । सामोद पर्वत पर स्थित श्री वीर हनुमान धाम पर मंदिर में रात को अभिषेक हवन के बाद सिद्धपीठ श्री वीर हनुमान धाम सामोद पर्वत के पीठाधीश्वर श्रीमद जगद्गुरु रामानंदाचार्य अवधबिहारी देवाचार्य जी महाराज ने नई पोशाक धारण कराकर विशेष झांकी सजाई। संत शिरोमणि नगनदास महाराज की

कर्मभूमि एवं तपोभूमि पर हर कोई श्रद्धालु सिर झुकाकर अपने आपको पुण्य का भागीदार बनाने में नज़र आया।

हनुमान जन्मोत्सव पर पर्वत के चारों तरफ से जोड़ने वाली सड़कें श्रद्धालुओं से अटी पड़ी हैं । नाचते -गाते, झूमते, बाबा के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं के झुंड के झुंड नज़र आए । विशाल लाल ध्वज पताकाएं अपने -अपने हाथों में थामे किसी भी तरह की शारीरिक पीड़ा को नजरअंदाज करते हुए निरंतर आगे बढ़ते रहे । न औरतें पीछे हैं, न बच्चे, न बूढ़े और न जवान, हर कोई दर्शनों के लिए लालायित दिखाई पड़ रहे हैं । इस अवसर पर 11 पंडितों ने 11 जोड़ों को सुंदरकांड पाठ की आहुतियों के साथ हनुमान चालीसा हनुमान जी के 108 हनुमत नामों की आहुतिया दिलाई । इसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरण की गई । व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस प्रशासन का अतिरिक्त जाब्ता भी तैनात रहा ।

31 साल की चंद्रकांता बनीं मिसेज उत्तर प्रदेश

उत्तरप्रदेश (संस्कार सृजन)। बुलंदशहर की 31 साल की चंद्रकांता को 11 महीनों से ऐसे ही ताने सुनने को मिलते रहे हैं। लेकिन उन्होंने लोगों की बातों को हमेशा चैलेंज के तौर पर लिया। रोज सुबह घर का कामकाज निपटाकर वह मॉडलिंग सीखतीं। यही नहीं यूपी में होने वाले फैशन इवेंट्स के बारे में चंद्रकांता अपने आप को अपडेट रखती थीं। इसका रिजल्ट ये रहा कि आज उनके नाम मिसेज उत्तर प्रदेश का ताज है।यूपी की राजधानी लखनऊ में हुए मिसेज उत्तर प्रदेश, क्वीन ऑफ एक्सीलेंस सीजन-1 के ग्रैंड फिनाले में चंद्रकांता ने बाजी मार ली। पूरे प्रदेश से आए 15 से ज्यादा कंटेस्टेंट्स को हराकर उन्होंने ये साबित कर दिया कि एक घर चलाने वाली महिला भी किसी फैशन मॉडल से कम नहीं

होती। मिसेज यूपी का टाइटल जीतने वाली चंद्रकांता कहती हैं, शादी के बाद घर से बाहर निकलकर मॉडलिंग करना किसी आजादी की लड़ाई से कम नहीं था। लोग आज भी इस काम को गलत नजरिए से देखते हैं। लेकिन, ससुराल का सपोर्ट न मिलता, तो शायद मैं इस मुकाम तक न पहुंच पाती। एक गृहस्थ महिला भी मॉडलिंग कर सकती है। ये बात मुझे डॉ. आकांक्षा गोगना से मिलकर पता चली। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था क्रिएटिव आई फाउंडेशन हाउस मेकर महिलाओं को मॉडलिंग का बड़ा प्लेटफॉर्म देती है। इसके बाद मैंने अपना रजिस्ट्रेशन (मिसेज उत्तर प्रदेश, क्वीन ऑफ एक्सीलेंस) इवेंट में करवा दिया। इस इवेंट में आकर मैंने अपने पैशन को जिया। मॉडलिंग की बारीकियां सीखीं और मेरी लगन ने मुझे मिसेज उत्तर प्रदेश बना दिया। मैं अपनी जीत का श्रेय अपने परिवार और डॉ. आकांक्षा को देना चाहती हूं।लखनऊ के होटल रेगनैंट में मिसेज यूपी, क्वीन ऑफ एक्सीलेंस सीजन-1 फैशन इवेंट हुआ। यूपी के अलग-अलग जिलों में हुए ऑडिशन राउंड से चुनकर आई 20 घरेलू-कामकाजी महिलाओं ने इसमें हिस्सा लिया।

अहीर रेजीमेंट की मांग को लेकर यादव समाज के लोगों ने भरी हुंकार

जयपुर (संस्कार सृजन)। कस्बे सहित आस-पास क्षेत्र के गांव ढाणी घर - घर जाकर विश्व यादव समाज परिषद प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान के रामदेव यादव के नेतृत्व में 16 अप्रैल को वीटी रोड ग्राउंड, शिप्रा पथ , मानसरोवर जयपुर में होने वाले अहीर जनजागृति सम्मेलन को लेकर यादव समाज जोर-जोर से तैयारियों को लेकर टीम बनाकर अलग-अलग क्षेत्रों में भेजकर यादव समाज के लोगों को अहीर जनजागृति सम्मेलन में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान करके पोस्टरों का विमोचन करवाया जा रहा है। प्रदेशाध्यक्ष रामदेव यादव ने ग्राम पंचायत घिनोई स्थित सामुदायिक भवन में पहुंचकर मीटिंग को संबोधित करते हुए कहा कि यादव समाज अहीर जनजागृति सम्मलेन में ज्यादा से ज्यादा पहुंचकर अहीर रेजिमेंट की मांग को मजबूत करे । ये अपनी मांग है, अपना हक है इसे लेना इसलिए । सभी लोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधार कर अपने हक के लिए जरूर लड़ाई लड़ें । पूर्व मंडल अध्यक्ष बंशीधर यादव ने भी संबोधित करते हुए कहा कि सभी समाज बंधुओं को इसमें एकजुट होकर साथ देना चाहिए । यादव ने कार्यकर्ताओं को अलग-अलग टीमें बनाकर क्षेत्र के गांव में भेजकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लोगों से संपर्क कर रहे हैं। वहीं यादव समाज के लोगों ने बगरू , महला के पंचायत क्षेत्र में पहुंचकर भी प्रचार-प्रसार पर जोर दिया । समाज के लोगों को कड़ी से कड़ी जोड़ने का आव्हान किया जा रहा है ।

इस मौके पर पूर्व मंडल अध्यक्ष बंशीधर , मुरलीधर यादव, नानू राम यादव , वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव, सांवरमल यादव , श्रीराम यादव, रामनिवास यादव, गोमाराम यादव, तारांचद यादव , राम अवतार , नंदकिशोर, बंशीधर, सूरजमल भगवाडिया , कैलाश भगवाडिया , नंदकिशोर जाजम , गोपाल ककोडिया सहित समाज बन्धु मौजूद रहे ।

जन समस्याओं को लेकर आम आदमी पार्टी ने किया सर्वे

जयपुर (संस्कार सृजन)। सांगानेर विधानसभा के वार्ड 96 के मदरामपुरा रोड स्थित सायपुरा कॉलोनी में आम आदमी पार्टी द्वारा जन समस्याओं पर पब्लिक सर्वे किया गया । आप पार्टी के धीरेश कुमार जैन व विनीत शर्मा ने बताया कि जे डी ए अप्रूव्ड कॉलोनी सायपुरा के लोग लगभग 2 दशकों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित है । क्षेत्र में पीने का पानी कई दिनो में एक बार अनियमित तौर कर आता है जिससे लोगो को महंगे पानी के टैंकर बार बार मंगवाना पड़ता है । क्षेत्र की कीचड़ से भरी नालियों की कोई निकासी नहीं है व क्षेत्र में सड़क व सीवर नही है । सरकारी चिकित्सा केंद्र कॉलोनी से । किलोमीटर दूर है जिससे बुजुर्गों को परेशानी होती है । इस विषय में अन्य कदम उठाए जाएंगे ।

संपादकीय

खत्म हों पेंशन प्रणाली की विसंगतियां

पिछले दिनों केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकारी कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में सुधार के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2004 में वित्तीय बोझ को ध्यान में रखते हुए पुरानी पेंशन प्रणाली (ओपीएस) को खत्म कर दिया था। इसकी जगह पर एनपीएस लाई थी। अब देश में फिर से ओपीएस लागू करने की मांग उठ रही है। केंद्र और राज्य स्तर के कम से कम 50 से ज्यादा संगठन इसके लिए आंदोलन कर रहे हैं। इसे देखते हुए विपक्षी दलों द्वारा शासित कुछ राज्यों-छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान, पंजाब और हिमाचल प्रदेश ने ओपीएस को अपना लिया है। वहीं अन्य कई राज्यों ने भी इस पर विचार करने के लिए समितियां बनाई हैं। अब सबकी नजरें इनकी रिपोर्ट पर टिकी हैं, क्योंकि माना जा रहा है कि आगे का फैसला उन्हीं की सिफारिशों के आधार पर होगा। हालांकि इस बीच यह सवाल किया जा रहा है कि अगर सरकारों को वित्तीय बोझ की इतनी ही चिंता है तो फिर वे सांसदों और विधायकों के लिए भी एक देश एक पेंशन की बात क्यों नहीं कर रही हैं? सरकार जनप्रतिनिधियों को एनपीएस के फायदे क्यों नहीं समझा पा रही है? जनसेवा के लिए खुद से आगे आए ये नीति-नियंता एक दिन की भी जनसेवा की कीमत आजीवन वसूल रहे हैं। वहीं सरकारी विभागों में अपना पूरा जीवन खपा देने वाले व्यक्ति का 10 प्रतिशत वेतन कटौती के बाद भी बुढ़ापा असुरक्षित है। आमतौर पर कोई भी नेता जितनी बार एमपी/एमएलए बनता है, उसका पेंशन उस हिसाब से बढ़ता जाता है। साथ ही यदि कोई नेता विधायक और बारी-बारी से लोकसभा-राज्यसभा सदस्य यानी तीनों रह चुका है तो उसे तीनों की पेंशन मिलती है। जिस देश में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में अनाज दिया जा रहा हो, वहां क्या ऐसी जनता के प्रतिनिधियों को राजा की तरह रहना चाहिए? करीब 85 प्रतिशत सांसद करोड़पति हैं। और यही माननीय महज 600 रुपये की सामाजिक सुरक्षा पेंशन से जनता की गुजारे की बात करते हैं और एनपीएस को ज्यादा अच्छा बताते हैं। सांसदों को वर्ष 1976 में 300 रुपये प्रति माह मिलने वाली मूल पेंशन वर्ष 2018 में 25,000 रुपये (अन्य भत्ते अलग से) प्रति माह कर दी गई। इसके अलावा एक सांसद के निधन होने की स्थिति में उसके पति या पत्नी के लिए फैमिली पेंशन की अलग से व्यवस्था है। प्रविधान तो यह भी है कि हर पांच साल पर सांसदों के वेतन एवं पेंशन में संशोधन किया जाएगा। यानी अप्रैल 2023 से फिर इनके वेतन एवं पेंशन बढ़ गई है। लगभग 2600 पूर्व सांसदों/आश्रितों को फैमिली पेंशन मिल रही है, जिस पर लगभग 200 करोड़ रुपये हर साल खर्च हो रहे हैं। आरटीआइ के आंकड़ों के मुताबिक हर साल प्रत्येक सांसद को वेतन और भत्ते के रूप में औसतन 30 लाख रुपये का भुगतान किया जा रहा है। 20 राज्य तो ऐसे हैं, जो अपने पूर्व विधायकों को किसी सांसद से ज्यादा पेंशन देते हैं। आज मणिपुर में एक पूर्व विधायक को प्रति माह 70 हजार रुपये की मूल पेंशन मिलती है। इसमें अन्य भत्ते जुड़ने के बाद पेंशन की राशि दो से तीन गुना बढ़ जाती है। ऐसे कई पूर्व सांसदों/विधायकों को भी पेंशन दिया जा रहा, जिनका कार्यकाल कुछ समय के लिए था। उदाहरण के लिए आंध्र प्रदेश की मुम्मिदिवरम विधानसभा सीट पर साल 1994 से 1998 के बीच तीन विधायक रहे।

क्या आपकी हथेली में हैं ये भाग्यशाली रेखाएं, तो एक दिन जरूर बनेंगे धनवान

आधुनिक समय में हर कोई अमीर बनना चाहता है। इसके लिए लोग प्रयास भी करते हैं। इस प्रयास में कुछ लोग सफल होते हैं, तो कुछ लोग असफल हो जाते हैं। वहीं, कुछ लोग ज्योतिष से संपर्क कर धन योग के बारे में जानते हैं। ज्योतिष शास्त्र में हस्तरेखा और कुंडली देखकर भविष्य की गणना की जाती है। इससे यह पता चल जाता है कि व्यक्ति का भविष्य कैसा रहने वाला है? क्या वह अमीर बनेगा या गरीब ही रहेगा। अगर आपकी हथेली में भी ये भाग्यशाली रेखाएं हैं, तो आप एक दिन जरूर धनवान बनेंगे। आइए जानते हैं-

-हथेली में तीन रेखाएं महत्वपूर्ण होती हैं, जो क्रमशः जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा और भाग्य रेखा हैं। हस्तरेखा विशेषज्ञों की मानें तो अगर आपकी हथेली में भी ये रेखाएं स्पष्ट हैं, तो यह आपके लिए बेहद शुभ है। इसका मतलब है कि आप अपने जीवन में जरूर धनवान बनेंगे।

-अगर आपकी हथेली में जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा और भाग्य रेखा मिलकर अंग्रेजी का रूनिशान बनाएं, तो ऐसे लोगों का मध्यम जीवन बहुत सुखमय रहता है। हस्तरेखा पंडितों की मानें तो ऐसे लोग 35 वर्ष के बाद धनवान बनते हैं और लग्जरी लाइफ जीते हैं। इनके जीवन में फिर पैसे की कमी नहीं रहती है। आप भी अपनी हथेली में रूनिशान को देख सकते हैं।

-हस्तरेखा विशेषज्ञों की मानें तो अगर आपकी हथेली में सूर्य पर्वत, शुक्र पर्वत और गुरु पर्वत उभरे हैं, तो आप अपने जीवन में अवश्य धनवान बनेंगे। अमीर लोगों की हथेली में सूर्य, शुक्र और गुरु पर्वत उभरे रहते हैं। आप अपनी हथेली में पर्वत को देख कर चेक कर सकते हैं।

-अगर आपकी हथेली में भाग्य रेखा, मणिबंध से निकलकर शनि पर्वत तक पहुंचती है, तो आप भाग्यशाली हैं। आपको धनवान बनने से कोई रोक नहीं सकता है। साथ ही जीवन में धन की कभी कमी नहीं रहेगी। महज थोड़ी मेहनत में आपको मन मुताबिक सफलता मिलेगी।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

श्रीराम हैं अनंत, रामकथा अनंता

सचमुच श्रीराम न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के प्रेरक है, पालनहार है। भारत के जन-जन के लिये वे एक संबल हैं, एक समाधान हैं, एक आश्वासन हैं निष्कंटक जीवन का, अंधेरों में उजालों का। भारत की संस्कृति एवं विशाल आबादी के साथ दर्जनभर देशों के लोगों में यह नाम चेतन-अचेतन अवस्था में समाया हुआ है, इस लोक की थाती श्रीराम हैं और व्याप्ति भी श्रीराम। श्रीराम अनंत हैं तो रामकथा भी अनंता हैं, श्रीराम केवल भारतवासियों या केवल हिन्दुओं के मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं हैं, बल्कि बहुत से देशों, जातियों के भी मर्यादा पुरुष हैं जो भारतीय नहीं। रामायण में जो मानवीय मूल्य दृष्टि सामने आई, वह देशकाल की सीमाओं से ऊपर उठ गई। वह उन तत्वों को प्रतिष्ठित करती है, जिन्हें वह केवल लिखे लोगों की चीज न रहकर लोक मानस का अंग बन गई। हिन्दु धर्म शास्त्रों के अनुसार त्रेतायुग में रावण के अत्याचारों को समाप्त करने तथा धर्म की पुनःस्थापना के लिये भगवान विष्णु ने मृत्यु लोक में श्रीराम के रूप में अवतार लिया था। श्रीरामचन्द्रजी का जन्म चैत्र शुक्ल की नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में रानी कौशल्या की कोख से, राजा दशरथ के घर में हुआ था। रामनवमी का त्यौहार इस वर्ष 30 मार्च 2023 को मनाया जायेगा। इस पर्व के साथ ही माँ दुर्गा के नवरात्रों का समापन भी होता है। श्रीराम भारत की संस्कृति में, जीवनशैली में, भक्ति में, आस्था में रचे बसे हैं, साहित्य, कला, संगीत, शिल्प सब श्रीराम के बीना अधूरे हैं। श्रीराम भारतीय संस्कृति में, शिल्प में, मंदिरों और गुफाओं में भी दिखायी देते हैं, हंपी हो या एलोरा, सब जगह रामकथा अभिव्यक्त है। चित्रकला की बात करें, तो राजस्थानी बूंदी, कोटा, मिथिला, मंजूषा और मराठी चित्रकला में राम-सीता सबसे अधिक उकेरे जाते हैं। मुगल या मध्यकाल में विकसित दक्कन, राजपुर और पहाडी शैलियों में बने भित्ति एवं तैलचित्रों में भी रामकथा प्रसंग है। कांगड़ा, कुल्लू, बसोली, माडू, बुंदेली हर संस्कृति में श्रीराम जीवन एवं उनके जीवन-कथानकों की छाप है। श्रीराम मुद्रा का प्रचलन भी कई शासन काल में रहा है। यहीं नहीं, महात्मा गांधी का प्रसिद्ध भजन 'रघुपति राघव राजा राम' में भी राम धुन ही रची गयी है। कहने का तात्पर्य यह कि जब जीवन के घट-घट में श्रीराम का वास है, तो हमारे सामाजिक जीवन और चरित्र से श्रीराम अलग कैसे हो सकते हैं? हमें उसमें भी 'श्रीराम' को साकार करके रामराज्य के विस्तार की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में अवश्य सोचना चाहिए, इसी दिशा में श्रीराम मन्दिर की महत्वपूर्ण भूमिका बनने जा रही है। भारत अपने आत्म-सम्मान एवं शक्ति को हासिल करते हुए सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं बौद्धिक-आर्थिक स्तर पर विश्व गुरु की भूमिका का निर्वाह करेगा। हमें शांतिप्रिय होने के साथ-साथ शक्तिशाली बनकर उभरना होगा, ताकि फिर कोई आक्रांता हमें कुचले नहीं, हम पर शासन करने का दुस्साहस न कर सके।यह भारत जिसे आर्यावर्त भी कहा गया है, उसके ज्ञात इतिहास के श्रीराम प्रथम पुरुष एवं राष्ट्रपुरुष हैं, जिन्होंने सम्पूर्ण राष्ट्र को उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व तक जोड़ा था। दीन-दुखियों और सदाचारियों की दुराचारियों एवं राक्षसों से रक्षा की थी। सबल आपराधिक एवं अन्यायी ताकतों का दमन किया। सर्वोच्च लोकनायक के रूप में उन्होंने जन-जन की आवाज को सुना और राजतंत्र एवं लोकतंत्र में जन-गण की आवाज को सर्वोच्चता प्रदान की। श्रीराम सुशासन एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रेरक है, इस दृष्टि से श्रीराम मन्दिर लोकतंत्र का भी पवित्र तीर्थ होगा। आज हम श्रीराम और श्रीराम कथा को लेकर भाषा, जाति और अमीर-गरीब के बीच विभाजित हो जाते हैं, जबकि श्रीराम और श्रीराम कथा में प्रजातांत्रिक दर्शन भी है, जिस पर ध्यान नहीं दिया जाता है। वनवास यात्रा में केवट को अपना बनाना, शबरी के जूठे बेर खाना क्या लोकतांत्रिक जीवन दर्शन का उदाहरण नहीं है? सीता की खोज में हनुमान, सुग्रीव, नल-नील, जटायु से सहयोग लेना, प्रजातंत्र में जनप्रतिनिधियों से सहयोग लेकर शासन-व्यवस्था चलाने का दर्शन नहीं है? आज आवश्यकता है श्रीराम और श्रीराम कथा के आलोचना से भी प्रजातांत्रिक गतिशीलता की तलाश की जाये और देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था को गतिशील बनाया जाये।

भूलकर भी घर में न लगाएं हनुमान जी की ये तस्वीरें, जीवन पर पड़ता है बुरा असर

मंगलवार का दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अनन्य और परम भक्त हनुमानजी को समर्पित होता है। इस दिन संकट मोचन श्री हनुमान की पूजा उपासना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि हनुमान जी की पूजा करने से शनि, राहु और केतु की समस्त बाधा दूर हो जाती है। आसान शब्दों में कहें तो कुंडली में ग्रह स्थिति बेहद अनुकूल हो जाती है। वहीं, मंगलवार के दिन हनुमानजी की पूजा करने से करियर और कारोबार की बाधा भी शून्य हो जाती है। इसके लिए लोग हनुमान जी की भक्ति श्रद्धा भाव से करते हैं। हालांकि, घर में हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर लगाते समय इन बातों का जरूर ध्यान रखें। आइए जानते है-

-अगर आप घर में सुख, शांति और समृद्धि को बरकरार रखना चाहते हैं, तो रोजाना हनुमान जी की पूजा करें। वहीं, मंगलवार के दिन विशेष पूजा करें, लेकिन उड़ते हनुमान जी की तस्वीर घर की दीवारों पर न लगाएं। पूजा स्थल पर भी उड़ते हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित न करें। ऐसा करने से घर में कलह की स्थिति पैदा होती है।

-वास्तु जानकारों की मानें तो दक्षिण दिशा अग्नि तत्व की प्रतीक है। इसके लिए दक्षिण दिशा में ही हनुमान जी की तस्वीर लगानी चाहिए। पूजा स्थल पर भी दक्षिण दिशा में ही प्रतिमा स्थापित करें। अगर आप अन्य दिशाओं में तस्वीरें लगाते हैं, तो प्रभावी शून्य रहेगा।

-घर में कभी भी लंका दहन और असुरों का संहार करने वाली तस्वीरें न लगाएं। इन तस्वीरों से घर में कलह की स्थिति पैदा होती है।

पारिवारिक कलह और बुरी नजर को दूर करने के लिए ऐसे करें मोर के पंख का इस्तेमाल

सनातन धर्म में वास्तु दोष का विशेष ख्याल रखा जाता है। लापरवाही बरतने से जीवन में अस्थिरता आ जाती है। साथ ही आर्थिक परेशानियां भी बढ़ जाती हैं। इसके अलावा, परिवार के सदस्यों के बीच कलह की स्थिति रहती है। ज्योतिष शास्त्र में वास्तु दोष को दूर करने के लिए कई उपाय बताए गए हैं। इनमें एक उपाय मोर के पंख को घर में रखना है। अगर आप भी पारिवारिक कलह से परेशान हैं और इससे निजात पाना चाहते हैं, तो मोर के पंख के ये उपाय जरूर करें। आइए जानते हैं-

-अगर आपके घर में भी गृह क्लेश है और आप

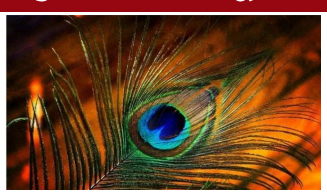

इससे निजात पाना चाहते हैं, तो घर के मुख्य द्वार पर तीन मोर पंख लगाएं। वहीं, पंख लगाते समय ? द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहा मंत्र का जाप करें। आप चाहे तो घर के मुख्य द्वार पर भी निम्न मंत्र लिख सकते हैं। इस उपाय को करने से पारिवारिक कलह दूर हो जाती है। साथ ही बुरी नजर की समस्या भी दूर हो जाती है।

-अगर आप शत्रु पर विजय पाना चाहते हैं, तो शनिवार और मंगलवार को हनुमान जी के माथे से सिंदूर लेकर मोर पंख पर लगाकर प्रवाहित जलधारा में बहाएं। इस उपाय को करने से शत्रुओं से निजात मिलता है।

-घर के वास्तु दोष दूर या ठीक करने के लिए घर के आग्नेय कोण यानी दक्षिण पूर्व दिशा में मोर का पंख लगाएं। इस उपाय को करने से वास्तु दोष दूर होता है।

-घर से नकारात्मक शक्ति को दूर करने के लिए ईशान कोण में भगवान श्रीकृष्ण की चित्र और मोर पंख लगाएं। इस उपाय को करने से वास्तु दोष दूर होता है।

-सनातन धर्म में ज्योतिष शास्त्र का विशेष महत्व है। इससे व्यक्ति के भविष्य का पता चलता है। कुंडली में ग्रहों की अनुकूल दशा रहने पर व्यक्ति जीवन में तरक्की और उन्नति करता है। वहीं, प्रतिकूल रहने पर जीवन में भूचाल आ जाता है। ग्रहों के दोष को दूर करने के लिए एक मोर पंख लें। अब 21 बार ग्रह (जिससे पीड़ित हैं) मंत्र का जाप करें। इसके बाद पानी छिड़क कर ऐसी जगह पर रख दें। जहां से दिखाई न दें।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

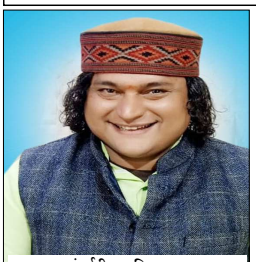

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष राशि - माता का सानिध्य व सहयोग मिलेगा, बातचीत में संयत रहें। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। घर-परिवार में धार्मिक संगीत के कार्य होंगे। वाहन सुख में वृद्धि होगी। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं, लेखनादि कार्यों से आय में वृद्धि के योग बन रहे हैं ।

वृष राशि - धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। आय में वृद्धि होगी, वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे, संतान को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। मानसिक शांति तो रहेगी, लेकिन मन में असंतोष भी रहेगा। अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। यात्रा लाभप्रद रहेगी।

मिथुन राशि - संपत्ति से आय में वृद्धि होगी । कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की संभावना बन रही है । पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। संपत्ति से आय में वृद्धि हो सकती है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क राशि - आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। संतान सुख में वृद्धि होगी, क्रोध के अतिरेक से बचें। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे लेकिन अति उत्साही होने से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावना भी बन रही है।

सिंह राशि-माता- पिता का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों आदि के प्रति रुझान बढ़ेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है। अपनी भावनाओं को वश में रखें । घर में धार्मिक कार्य हो सकते हैं, किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के योग भी बन रहे हैं।

कन्या राशि - स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा। अफसरों का सहयोग मिलेगा, कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। मानसिक शांति तो । नौकरी में कार्यभार में वृद्धि संभव है ।

तुला राशि - मन में शांति व प्रसन्नता के भाव रहेंगे, लेकिन बातचीत में संयत रहें, क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम रहेंगे, शोध आदि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा । वाणी में कठोरता का भाव रहेगा । वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा, नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी, संचित धन भी बढ़ेगा लेकिन किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि - अपनी भावनाओं में वश में रखें, आत्म संयत रहें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। परिवार में शांति रहेगी, वाहन सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु राशि - मानसिक शांति तो रहेगी, फिर भी क्रोध के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, परिवार में सुख-शांति रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं । कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

मकर राशि- मन में निराशा के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। माता का सहयोग मिलेगा, नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें । परिवार में हंसी खुशी का माहौल बना रहेगा।

कुंभ राशि - मानसिक शांति तो रहेगी परंतु असंतोष भी रहेगा। परिवार में सुख शांति रहेगी, शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे। खर्च में वृद्धि हो सकती है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी, नौकरी में यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मीन राशि - आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, लेकिन आत्म संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें, । दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी । आय में वृद्धि होगी, परंतु किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। आशा-निराशा के मिश्रित भाव मन में रहेंगे परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग बन रहे हैं।

(पुस्तक समीक्षा)

शब्दों की बाजीगरी परिलक्षित होती है सत्रहाक्षर में

सत्रहाक्षर
डॉ.घनश्याम नाथ कच्छावा

सत्रहाक्षर हाइकु संग्रह ख्याति लब्ध साहित्यकार एवं कवि डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा द्वारा लिखित है। डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा राजस्थानी और हिंदी भाषाओं में समान रूप से विविध विषयों एवं विधाओं में सार्थक नवाचार करते हैं। लेखक की हिंदी एवं राजस्थानी में अब तक लगभग 12 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। लेखक का रचना कौशल लेखन के क्षेत्र में इनके तप की साख भरता है। हमारी आज की कृति सत्रहाक्षर हाइकु संग्रह है, जिसके लेखक डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा जी । यह संग्रह अपने आप में अनूठा इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि यह जापानी लेखन शैली हाइकु में लिखा गया है। इस संग्रह में कुल 82 विषयों पर पाँच-पाँच हाइकु लिखे गए हैं। यानी कुल चार सौ दस हाइकु हमें इस पुस्तक सत्रहाक्षर में पढ़ने को मिलेंगे। सभी हाइकु के अलग-अलग अर्थ एवं भाव है। इस पुस्तक की पृष्ठ संख्या सौ है। एक हाइकु में तीन पंक्तियां होती है पहली पंक्ति में पांच अक्षर दूसरी पंक्ति में सात अक्षर और तीसरी पंक्ति में पुनः पाँच अक्षर होते हैं । इस प्रकार एक हाइकु में कुल सत्रह अक्षर होते हैं जो इस पुस्तक के नाम को भी सार्थक करता है ।

लेखक या कवि अपने जीवन के अनुभवों या अपने परिवेश को ही अपने लेखन का क्षेत्र बनाता है। सत्रहाक्षर इस बात को पूर्ण रूप से स्पष्ट कर देती हैं। इस संग्रह के हाइकु से हमें शब्दों की बाजीगरी बहुत सुंदर तरीके से समझ आती है। यह डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा का लेखन कौशल है कि उन्होंने इतने सरल शब्दों में इतने गूढ़ विषयों पर इतने बौद्धिक हाइकू लिखे।

इस संग्रह के सभी हाइकु जीवन दर्शन का बहुत ही करीबी से परिचय कराते हैं। यह हाइकु संग्रह निश्चय ही अपने पाठकों पर बहुत गहरा प्रभाव छोड़ेंगे । डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा जी ने अपने इस संग्रह में सघन,क्षणिक,अनुभूतियों का बहुत ही सुंदर एवं कलात्मक रूप से प्रस्तुतीकरण किया है। अच्छे हाइकु लेखन के लिए गंभीर चिंतन, एकाग्रता और अनुभूति का मिश्रण होना चाहिए, जो डॉ. कच्छावा के व्यक्तित्व से साफ-साफ दिखाई देता है। संपूर्ण पुस्तक के सभी हाइकु बहुत ही धैर्य एवं चिंतन से लिखे हुए हैं। पढ़ने में भी बहुत रुचिकर है। डॉ.कच्छावा ने अपने आस-पास के परिवेश के साधारण विषयों पर बहुत सार्थक हाइकु लिखे हैं। देखने में, सुनने में बहुत सरल सा लगता है कि पाँच-सात-पाँच अक्षरों की तीन पंक्तियां ही तो होती है हाइकु में परंतु इन्हें अर्थ पूर्ण लिखना बहुत ही चुनौतीपूर्ण होता है।

इस संग्रह के कुछ हाइकु जो
मेरे मन को छू गए-
सामाजिक संदेश देता खून
पर लिखा एक हाइकू-
खून खराबा
धर्म के नाम पर
पाप का कर्म
पत्नी के महत्व को भी सत्रह
अक्षरों में इतने सुंदर तरीके से
समझाया जा सकता है -
बसता नहीं
पत्नी के बिना घर
अधूरा नर धर्म का इससे
सुंदर वर्णन मैंने नहीं देखा -
राम रहीम

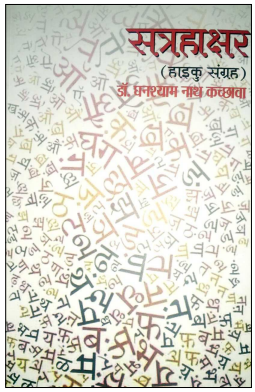

दोनों को खाया बेच
धर्म का भेष
जल पर आधारित हाइकु सौंदर्य -
सृष्टि का प्राण
बहता कल कल
अमृत जल

पूरे संग्रह में इस प्रकार बहुत सुंदर शब्दों की बाजीगरी हमें बहुत स्पष्ट रूप से देखने को मिलती है। हर एक हाइकु अपने आप में बहुत अलग भाव एवं अर्थ समाहित किए हुए हैं। इस पूरे संग्रह को मैंने भी पढ़ा है आप भी पढ़िए और खो जाइए इस पुस्तक में लिखे हाइकुओं में। आपको ऐसा लगेगा कि यह तो बहुत साधारण सी बात है भला इसे भी इतने सुंदर ढंग से कहा जा सकता है क्या ?

डॉ. योगिता जोशी
समीक्षक

(कहानी)

सच बोलने वाले की हमेशा जीत होती है

प्रभाती लाल सैनी

एक बार एक राजा दरबार में न्याय कर रहा था। उसके सामने दो फरियादी खड़े थे जो न्याय मांगने दरबार में आये थे । राजा ने उन्हें अपना अपना पक्ष रखने कहा दोनों ने बारी-बारी से अपना पक्ष रखा । जब पहले व्यक्ति ने अपना पक्ष रखा था तब राजा अपने छोटे से बच्चे के साथ खेलने में व्यस्त थे। उनका ध्यान कम था और जब दूसरे ने अपना पक्ष रखा तो राजा ने उसकी पूरी बात ध्यान से सुनी जिसके हिसाब से राजा ने अपना फैसला दूसरे फरियादी के हक़ में सुनाया जिसे सुन सभी दरबारी स्तब्ध रह गये क्यूंकि सभी को पहला व्यक्ति निर्दोष लग रहा था पर राजा के सामने सच बोलने की हिम्मत किसी की भी ना थी। इस बात को दो दिन बीत गये बिना किसी कारण के पहले फरियादी को उसकी सजा काटनी पड़ रही थी जब इस बात के बारे में उस व्यक्ति के घर में बेटे को पता चला तो उसने दरबार में आना तय किया । अगले दिन पहले व्यक्ति के बेटे ने दरबार में प्रवेश किया उससे पूछा गया कि वो क्यूँ आया हैं तब उसने राजा से कहा हे राजन ! मैं आपसे एक न्याय चाहता हूँ । राजा ने कहा कैसा न्याय ? तब उसने कहा - एक राज्य है, जहाँ मेरे पिता अपनी फरियाद लेकर गये थे और उन्होंने अपना पक्ष रखा लेकिन राजा उनकी बात सुनते वक्त सो गया और जब उठा तो राजा ने दूसरे व्यक्ति की बात पूरी सुनी और उसी के हक़ में फैसला सुना दिया । हे राजन ! अब बताये कि क्या यह फैसला सही है ? और ऐसे समय फरियादी और दरबारी को क्या करना चाहिये । तब राजा ने उत्तर दिया फैसला बिलकुल सही नहीं हैं और ऐसे वक्त में दरबारी और फरियादी दोनों को राजा को सही बात बोलना चाहिये क्यूंकि फरियादी का बिना बात के दंड सहना पाप हैं और दरबारी भी न्याय का हिस्सा है। राजा कोई भगवान नहीं है,उससे भी गलती हो सकती है । ऐसे में दरबारी को राजा को अपना दृष्टिकोण देने का पूरा हक़ है क्यूंकि किसी भी न्याय पर पूरे राज्य की प्रतिष्ठा निर्भर करती हैं। यह सुनकर सभी दरबारी का सिर लज्जा से झुक गया ।

राजा की बात ख़त्म होने पर फरियादी के बेटे ने राजा से कहा - हे राजन ! वह राजा आप हैं,आपने ही मेरे पिता को सजा दी है, जब वे अपना पक्ष आपके सामने रख रहे थे आप अपने पुत्र के साथ खेलने में व्यस्त थे और इस कारण आपने पूरी बात नहीं सुनी और आपके सामने बोलने की हिम्मत किसी की न थी जिसके परिणामस्वरूप पिछले दो दिन से मेरे पिता सजा भोग रहे हैं । राजा ने यह बात सुनकर अपना न्याय बदला और दरबारियों को फटकारा । इसके साथ ही राजा ने सत्य बोलने वाले उस फरियादी के पुत्र का अभिवादन किया और उसे धन्यवाद दिया । उसके कारण आज राजा और दरबारी दोनों को बहुत महत्वपूर्ण सबक मिला है जिसके पारितोषिक के रूप में राजा ने उस सत्यवादी को राज्य के महत्वपूर्ण पद पर बैठा कर उसे कार्यशाला में नौकरी प्रदान की ।

चेतना का मूल आधार है अस्तित्व का ज्ञान

जन्म जीवन मरण ये सब भ्रम मात्र हैं। न कोई कभी मरता है और ना कोई कभी जन्म लेता है। जीवन का अस्तित्व एक ऐसा आश्चर्यमय सत्य है कि तुम एक क्षण भी उसका विस्मरण नहीं कर सकते क्योंकि अपने अस्तित्व के बिना यह विस्मरण भी बिल्कुल ही असंभव है।

स्वामी विवेकानंद; जब हम दर्शनशास्त्र का अध्ययन करते हैं, तो हमें यह ज्ञान होता है कि संपूर्ण विश्व एक है। आध्यात्मिक, भौतिक, मानसिक तथा प्राण-जगत भिन्न-भिन्न नहीं हैं। समस्त विश्व, यहां से वहां तक, एक है। बात इतनी ही है कि अलग-अलग दृष्टिकोण से देखे जाने के कारण वह विभिन्न प्रतीत होता है। मैं शरीर हूं, इस भावना से जब तुम अपनी ओर देखते हो तो यह भूल जाते हो कि मैं मन भी हूं। और, जब तुम अपने को मनोरूप में देखने लगते हो, तो तुम्हें अपने शरीरत्व की विस्मृति हो जाती है। विद्यमान वस्तु केवल एक है और वह तुम हो। वह तुम्हें जड़ या शरीर के रूप में अथवा मन या आत्मा के रूप में दिख सकती है।

जन्म, जीवन, मरण ये सब भ्रम मात्र हैं। न कोई कभी मरता है और ना कोई कभी जन्म लेता है। होता इतना ही है कि मनुष्य एक स्थिति से दूसरी स्थिति में चला जाता है। लोगों को मृत्यु से इतना भय पाते देख मुझे बहुत दुख होता है। वे मानो जीवन को पकड़ कर रखने की सतत चेष्ठ करते रहते हैं। वे कहते हैं कि मृत्यु के बाद हमें जीवन दो। हमें मरणोत्तर जीवन दो। यदि कोई आए और उन्हें बताए कि मृत्यु के बाद भी वे विद्यमान रखेंगे, तो वे कितने आनंदित होते हैं? वस्तुतः मनुष्य के अमरत्व में मैं अविश्वास ही किस तरह कर सकता हूं? मैं मृत हूं, यह कल्पना ही मैं किस प्रकार कर सकता हूं? तुम यदि अपने को मृत सोचने की कोशिश करो तो देखोगे कि तुम अपने मृत शरीर को देखने के लिए वर्तमान हो ही। जीवन का अस्तित्व एक ऐसा आश्चर्यमय सत्य है कि तुम एक क्षण भी उसका विस्मरण नहीं कर सकते, क्योंकि अपने अस्तित्व के बिना यह विस्मरण भी बिल्कुल ही असंभव है। मैं हूं, यह अस्तित्व-विषयक ज्ञान ही चेतना का मूल आधार है। जिसका कभी अस्तित्व ही न था, उसकी कल्पना ही कौन कर सकता है? इसलिए चैतन्य का अबाधित अस्तित्व स्वयंसिद्ध सत्य है। इसी कारण अमरत्व की भावना मनुष्य में स्वभावतः विद्यमान रहती है। इसीलिए इस विषय पर किसी विवाद के लिए न कोई गुंजाइश है और ना कोई प्रयोजन।

माली समाज के 16 वें सामूहिक विवाह सम्मलेन में उमड़ा जन सैलाब

चौमूं (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर में माली समाज विकास समिति के तत्वावधान में रामनवमी के अबूझ सावे पर 16 वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 13 जोड़े वैदिक मंत्रों के साथ परिणय सूत्र बंधन में बंधे । इससे पूर्व प्रातः 9 बजे थाना मोड़ स्थित आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में सिंयाला कार्यक्रम हुआ, जहां से 13 दूल्हे एक साथ घोड़ी पर बैठ कर रवाना हुए । बारात शाही लवाजमें और बैंड बाजे के साथ नाचते - गाते बस स्टैंड होते हुए सैनी समाज सभा भवन में पहुंची । रींगस रोड स्थित सैनी समाज सभा भवन विवाह स्थल पर तोरण और वरमाला का कार्यक्रम संपन्न हुआ । इसके बाद विवाह स्थल पर गायत्री परिवार शाखा धवली के वरिष्ठ अभिभावक थानाराम जाट के सानिध्य में विद्वान पंडितों द्वारा पूर्ण विधि-विधान से फेरे पूर्ण करवाए गए । शाम को नव दम्पत्तियों को आशीर्वाद देकर भावभीनी विदाई दी । सभी लोगों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी रही । पुलिस प्रशासन की भी चाक चौबंद व्यवस्था रही ।

फूल व्यापार संघ ने की पुष्प वर्षा - 13 दुल्हे जब घोड़ी पर एक साथ निकले तो शहरवासी देखते ही रह गए । चौमूं के बस स्टैंड स्थित फूल व्यापार संघ ने बारातियों पर

पुष्प वर्षा की और बारातियों को मिल्क रोज पिलाया ।

समिति अध्यक्ष घीसा लाल सैनी ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन वर्ष 2007 से हो रहा है । इससे दहेज प्रथा पर रोक लगती है और फिजूलखर्ची नहीं होती । बचे हुए पैसे से नव दंपति अपना कैरियर बना सकते हैं ।

इससे समाज आगे बढ़ा है और युवा ऐसे सम्मेलनों में शादी के लिए आगे आ रहे हैं ।

माली समाज विकास समिति द्वारा सामूहिक विवाह सम्मलेन में तन-मन -धन से सहयोग देने वाले करीब 400 भामाशाहों का माल्यार्पण कर, शाल ओढ़ाकर, अंजनी हनुमान की फोटो भेंट कर सम्मान किया ।

सम्मलेन में ये अतिथि रहे मौजूद-

नव दंपतियों को आशीर्वाद देने के लिए पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी, बाल कल्याण समिति चेयरमैन शीला सैनी, नगर पालिका शाहपुरा चेयरमैन बंशीधर सैनी, ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह सैनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरजमल ठेकेदार, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मंत्री जगदीश प्रसाद सैनी गुड्डू, माली समाज जयपुर अध्यक्ष रोशन सैनी, महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान प्रदेशाध्यक्ष अनुभव चंदेल, राजस्थान धरोहर संरक्षण प्राधिकरण बोर्ड के सदस्य भवानी शंकर माली, पूनमचंद कच्छावा, कानाराम खोवाल, पूर्व सरपंच पप्पू लाल सैनी, श्रवण करोडिया, रामचंद्र तुन्दवाल, राधेश्याम तंवर, दिनेश कुमार तिगरिया, मोहनलाल चांदोलिया, हामंत्री मदन लाल बागड़ी, कोषाध्यक्ष प्रभाती लाल सैनी, गणेश नारायण बेनाडिया, शंकरलाल खेजरोली, ओम प्रकाश ,बाबूलाल भभेवा, कन्हैया लाल पापटवाण, किशनलाल आढतिया,गोविंद नारायण सैनी ,नानूराम सैनी, मदनलाल सतरावला, हीरालाल पांच्या,डॉक्टर जेपी सैनी, कैलाश चंद बेनाडिया, डॉक्टर मान प्रकाश सैनी, जगदीश पांच्या, जगदीश अधोप्या, प्रह्लाद सहाय अधोप्या, सूरजमल करवा, हनुमान सहाय सिंगोदिया, कल्याण सहाय सैनी, प्रभु राई, धीरेंद्र सैनी, छितरमल बबेरवाल, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष सायर सिंह तंवर, महात्मा ज्योतिराव फुले विकास संस्थान अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद सिंगोदिया, पूर्व सरपंच भगवान सहाय गिरणा, अभिषेक सैनी, गैंदी लाल सैनी, कानाराम सैनी , कांग्रेस युवा नेता गुलाब चन्द सैनी, प्रेम डिजिटल से गोविन्द नारायण सैनी, रामनरेश सैनी, रतन कटारिया, गजानंद सैनी, कैलाश तंवर, नेमी चन्द सैनी, सुरेश कुमार तंवर, मनोज सैनी, श्याम लाल सैनी, बद्री सैनी, अर्जुन लाल सैनी, महेश सैनी , राजेंद्र सैनी, रामकिशोर सैनी,कैलाश चन्द इंदौरा,विनोद सैनी, रोशन सैनी,कृष्ण सैनी, श्रवण सैनी सहित कई समाजबन्धु मौजूद रहे । एंकर अमित सैनी ने सभी समाजबंधुओं को अंत तक बांधे रखा ।

दक्ष आई हॉस्पिटल एंड फैको सर्जरी सेंटर में मिल रहा बेहतर ईलाज

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर के एनएच 52, सामोद पुलिया के पास स्थित दक्ष आई हॉस्पिटल एंड फैको सर्जरी सेंटर में आंखों का बेहतर इलाज मिल रहा है । हॉस्पिटल डायरेक्टर धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि हमारे यहां अनुभवी डॉक्टर्स की टीम द्वारा 24 घंटे आंखों की सभी बीमारियों का सफल इलाज किया जा रहा है । यहां पर मोतियाबिंद, काला पानी, रेटीना, नाखूना, भेंगापन, रिफ्रेक्नसन, ROP, OCT, पेरीमेट्री, याग लेजर और पर्दे की बीमारी का इलाज किया जा रहा है । हॉस्पिटल में मोतियाबिंद का ऑपरेशन विशेष रियायती दरों पर किया जा रहा है, क्योंकि हर आंख अद्वितीय है इनका इलाज भी अद्वितीय ही होना चाहिए ।

पंडित रविन्द्राचार्य ने हाइपरसिटी जनरल मैनेजर का किया सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र जयपुर के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने हाइपरसिटी के जनरल मैनेजर सम्राट मिश्रा के ज्योतिष कार्यालय में पधारने पर सम्मान किया ।

पंडित रविन्द्राचार्य ने सम्राट मिश्रा से कई बातों पर चर्चा की ।

सम्मानस्वरूप शॉल ओढ़ाकर, रविंद्र हस्त रेखा पुस्तक भेंट कर आशीर्वाद दिया । इस दौरान सोनिया मिश्रा, यश मिश्रा, कृष्ण मिश्रा, नेहा सोनी, श्याम प्रेमी गोपाल भाई, श्याम मोहन कट्ठ ,भीम सोनी, संभव सोनी आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

राज्य ऊँट संरक्षण के क्षेत्र में बना सिरमौर

जयपुर (संस्कार सृजन)। राज्य पशु ऊँट के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संवेदनशील राज्य सरकार के द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में उष्ट्र संरक्षण योजना संचालित की जा रही है। राज्य पशु ऊँट के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संवेदनशील राज्य सरकार के द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में उष्ट्र संरक्षण योजना संचालित की जा रही है।

योजना के अंतर्गत अब तक 17 हजार से अधिक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हो चुके है. साथ ही योजना अंतर्गत चयनित ऊंट पालकों के खाते में सीधे ही राशि हस्तांतरित की जा रही है। वहीं लाभार्थियों के भौतिक सत्यापन के लिए विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर जाकर ऊँटनी एवं टोडियों के लगाए गए टैग एवं नंबरों की जांच कर ही योजना का लाभ देकर

पारदर्शिता का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। आज प्रदेश ऊँट संरक्षण के क्षेत्र में सिरमौर बनकर सामने आ रहा है.

योजना के लागू होने से ऊंट पालकों का आर्थिक संवर्धन होने के साथ राज्य पशु ऊँट के संरक्षण की दिशा में भी नए रास्ते खुलने लगे है।

ऊंट पालक http//www.pashuaushadh.com/ioms पर आवेदन कर सकते है।

आरटीई के तहत अब 12वीं कक्षा तक के छात्रों को भी निःशुल्क शिक्षा

जयपुर (संस्कार सृजन)। अब निजी विद्यालयों में 12वीं कक्षा तक के छात्रों को भी निःशुल्क शिक्षा मिलेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत अध्ययनरत छात्रों की फीस पुनर्भरण के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इस पर 46 करोड़ रुपए का व्यय होगा। आरटीई के माध्यम से कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए ही निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान है गहलोत द्वारा गत बजट में राज्य सरकार के खर्चे पर छात्राओं के लिए कक्षा 9 से 12वीं तक निजी विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा जारी रखने का प्रावधान किया था। इसी क्रम में अब छात्रों को भी कक्षा 1 से 12 तक आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में प्रवेश लेने पर निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री द्वारा वर्ष 2023-24 के

बजट में इस संबंध में घोषणा की गई थी। राज्य सरकार द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर अहम निर्णय लिए गए हैं। इनमें महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, मुख्यमंत्री निःशुल्क यूनिफार्म योजना, मुख्यमंत्री बाल-गोपाल योजना सहित कई योजनाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी

किसानों को मिलेंगे निःशुल्क बीज बढ़ेगा बीज उत्पादन

मुख्यमंत्री बीज स्वावलम्बन योजना में 5.89 लाख क्विंटल बीज उत्पादन का लक्ष्य

जयपुर(नि.सं.)। किसानों के कल्याण के लिए संकल्पित राज्य सरकार बीज उत्पादन बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है। अब राज्य सरकार 15 करोड़ रुपए की लागत से प्रदेश के 1.25 लाख से अधिक किसानों को उच्च गुणवत्तापूर्ण 35 हजार क्विंटल बीज निःशुल्क उपलब्ध कराएगी। इससे लगभग 5.89 लाख क्विंटल बीज का उत्पादन होगा और किसानों को संबल मिलेगा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीज वितरण और उत्पादन से संबंधित प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। योजना में गेहूं, जौ, चना, ज्वार, सोयाबीन, मूंगफली, मूंग, मोठ एवं उड़द की फसलों के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे 10 वर्ष से कम अवधि की उन्नत किस्मों की फसलों के बीजों का उत्पादन होगा।

सिटी ट्रांसपोर्ट के लिए 500 नवीन बसों का होगा संचालन

जयपुर(नि.सं.)। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में परिवहन सेवा अब और मजबूत होगी। शीघ्र ही जयपुर, जोधपुर, अजमेर और कोटा में 500 नई बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बसों को सर्विस मॉडल पर लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत ने बसों के संचालन के लिए 132.24 करोड़ रूपए के वित्तीय प्रावधान को भी स्वीकृति दी है। यह राशि राजस्थान परिवहन आधारभूत विकास निधि से उपलब्ध करवाई जाएगी। इसमें जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड के लिए 300 नई बसों सहित कुल 500 बसों का संचालन होगा।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित। EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com